जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2014-2015

2 अ

जैन विद्या भाग-2

समय : ½ घण्टा प्रश्न पत्र : भाग-अ पूर्णांक 30

नामांक अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :- सब प्रश्नो के अंक समान है।

अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. साधु साध्वियों की सेवा में जाने का उद्देश्य क्या होना चाहिये?
   (अ) डांट से बचना (ब) निठ्ठला बैठना
   (स) आत्मज्ञान पाना (द) घर के कामों से मुक्ति पाना ( )

2. ये दो तत्त्व है, बाकी के तत्त्व इनकी अवस्थाएं है-
   (अ) जीव-अजीव (ब) बंध-मोक्ष
   (स) पुण्य-पाप (द) आश्रव-संवर ( )

3. आचार्य भारमल जी का स्वर्गवास कहां हुआ?
   (अ) केलवा (ब) राजनगर
   (स) मुद्यंग्राम (द) उदयपुर ( )

4. मोक्ष तत्त्व के चार भेद में शामिल नहीं है?
   (अ) ज्ञान (ब) दर्शन
   (स) जप (द) तप ( )

5. धर्मास्तिकाय द्रव्य से है-
   (अ) एक द्रव्य (ब) अनन्त द्रव्य
   (स) असंख्य द्रव्य (द) संख्यात द्रव्य ( )

6. 'सच्चं भयवं' सूत्र है-
   (अ) मोक्ष सूत्र (ब) सत्य सूत्र
   (स) साम्य सूत्र (द) अहिंसा सूत्र ( )

7. पडिक्कमामि का अर्थ है-
   (अ) निवृत होता हूं (ब) प्रत्याख्यान करता हूं
   (स) प्रवृत होता हूं (द) सामायिक करता हूं ( )

8. पांच इन्द्रियों के विषय है-
   (अ) 25 (ब) 27
   (स) 21 (द) 23 ( )

9. अक्षय तृतीया आती है–

(अ) फाल्गुन में (ब) कार्तिक में

(स) वैशाख में (द) भाद्रव में ( )

10. पुरिसा तुमंसि नाम.....सच्चेव–

(अ) साम्य–सूत्र (ब) अंहिसा–सूत्र

(स) आत्म–विजय–सूत्र (द) मैत्री–सूत्र ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

(1) .....महापर्व मैत्री व उज्ज्वलता का संदेशवाहक है।

(2) सुंदरी ओर बाहुबलि की माता का नाम.....था।

(3) दग्ध कर.....बीज अंकुर.....अज अविकार है।

(4) पाप तत्त्व के.....भेद है।

(5) वर्तमान में अवसर्पिणी काल का.....चल रहा है।

(6) भद्रा के पुत्र का नाम.....था।

(7) साधु.....गुणों के धारक होते हैं।

(8) भगवान ऋषभ से पहले.....युग था।

(9) ऋषिराय ने एक साथ.....मील यात्रा की।

(10) माता मरूदेवा को.....पर बैठे–बैठे केवलज्ञान हुआ।

सही और गलत का चयन (✓) व (✗) का चिन्ह लगावें –

(1) आचार्य रायचंदजी का जन्म छोटी रावलिया में हुआ। ( )

(2) आचार्य भिक्षु का जीवन वि.सं. 1831 तक संघर्षमय रहा। ( )

(3) सिद्ध बारह गुणों से सम्पन्न होते हैं। ( )

(4) धर्म अनर्थ का मूल है। ( )

(5) बंध तत्त्व के 3 भेद है। ( )

(6) पर्युषण पर्व सात दिन मनाया जाता है। ( )

(7) स्पर्शनेन्द्रिय का विषय है स्पर्श। उसके चार प्रकार है। ( )

(8) आचार्य भारमलजी का स्वर्गवास राजनगर में हुआ। ( )

(9) दीपावली का संबंध भगवान ऋषभ के निर्वाण से है। ( )

(10) सामायिक आठवां व्रत है। ( )